बालभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा - चतुर्थ **दिनांक -30-08-2020**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक - पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज पाठ -9 तोताराम एकांकी के बारे में अध्ययन करेंगे।

पात्र

रमेश मीना का बड़ा भाई

मीना रमेश की छोटी बहन

माँ रमेश और मीना की माँ

प्रकाश

राजेन्द्र सब रमेश के मित्र - सहपाठी

संजय

तीन लड़के

तोताराम

(रमेश के घर एक कमरा। बीच में एक मेज पड़ी है, जिस पर एक किताब खुली रखी है। बराबर में एक कुर्सी पर रमेश बैठा है।

रमेश – एक ही शब्द को बार बार दोहराते हुए, अकबर का जन्म अमरकोट में हुआ था। हेमू की आँख में तीर लगा ...अकबर का जन्म

(मीना दौड़ती हुई अंदर आती है।)

मीना – बोली भैया तुझे बाबूजी बुला रहे हैं।

रमेश – मैं नहीं आता। जाकर कह देना मैं पढ़ रहा हूँ। अकबर का जन्म अमरकोट में हुआ था.... बार बार दोहराता है

फिर मीना बोली – बाबूजी बड़े – बड़े सामान लाए है चल भैया, टाँफी, बिस्कुट अहा जी, अहा जी!

रमेश – अकबर का जन्म.... अकबर का जन्म बोलता है देख मुझे भुला दिया न!

उसी समय एक चाटा मारता है और मीना रोने लगती है रोने से घर का कोना कोना गूँज उठता है।

माँ – बोलती है अरे रमेश क्या बात है मीना क्यूँ रो रही है।

रमेश – मैने मारा इसे इतना कठिन से याद किया आकर सब भुला दिया।

माँ बोलती है –क्या पढ़ाई चौबीसों घंटों की हो गयी क्या इस समय कौन सा पढ़ने का समय है, दिमाग है या मशीन जब देखो पढ़ाई।

रमेश – माँ तुम तो हमेशा यही कहती हो पढूँगा नहीं तो प्रथम कैसे आऊगा

शेष कल

गृहकार्य

(1) आपको यह एकांकी कैसा लगा?
(2) क्या आप अपना गृह-कार्य प्रतिदिन करते हैं?
(3) तोते की तरह कौन रट रहा था?